६०१/२७५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - २४ जून, २०१८)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००) **सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र -१**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं। **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना - द्वितीय संस्करण, मार्च - २००७

प्र.१ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए। **[६]**
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।)

१. अक्षरब्रह्म - धामरूप में (११५-११६)
२. श्रीजीमहाराज अक्षरधाम में सिधारने के बाद किस रूप में प्रकट हैं ? (८३-८६)
३. श्रीजीमहाराज की साकार स्वरूप में रुचि (११-१४)

प्र.२ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। **[५]**

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम। तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार॥''
उत्तर : 'भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं।'

१. ''सर्व अवतार एमां समाय, पोते कोईमां लीन न थाय।'' (५२)
२. ''बोलते-चलते जो भगवान हैं, वही प्रत्यक्ष कहलाते हैं।'' (६६, ६८)
३. ''उन्हें ही भगवान को तत्त्वत: जाननेवाला कहा जाता है तथा उनकी माया की निवृत्ति हो चुकी है।'' (२५, २७)
४. ''परोक्षथी भवतणो पार आवे नहि, वेद वेदांत कहे सत्य वाणी॥'' (८०-८१)
५. ''मेरे स्वामी की इच्छा से ही यह सब हो रहा है।'' (९-१०)

प्र.३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[४]**
सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. गुणातीतानन्द स्वामी अक्षर हैं : अन्य प्रमाण (१४९)
   (१) ☐ ऐसे संत की पहचान हुई है, उनके तो दोनों पैर अक्षरधाम में हैं।
   (२) ☐ हिसाब वही में 'अक्षरवाडी' का नाम ही मिलता है।
   (३) ☐ स्वामी के अग्निसंस्कार जगह 'अक्षरदेरी' के नाम से विख्यात है।
   (४) ☐ सोरठ प्रदेश के प्रासादिक स्थलों पर 'अनादि मूल अक्षर' शब्द का उल्लेख है।

२. सद्. गुणातीतानन्द स्वामी मूल अक्षर ? शास्त्रीय प्रमाण (१२५,१२६)
   (१) ☐ अक्षरमूर्ति गुणातीतानन्द स्वामी, तेणे आप्यां वर्तमान।
   (२) ☐ दयालु तमे दया करी लाव्या, मूल मुक्तने साथ।
   (३) ☐ मूलजीशर्मणे दीक्षां ददानस्य प्रजायते।
   (४) ☐ वंदुं गुणातीतानन्द स्वामी, जेही पर रीझे अंतर्यामी।

प्र.४ निम्नलिखित किसी एक प्रसंग का वर्णन कर के उसका सिद्धांत लिखें। **[४]**

१. कबूतर के कबूतर ही रहे (५७-५८) २. चौबीस अवतारों के दर्शन (५३)
३. आत्मानन्द स्वामी में उपासना ज्ञान की कमी दूर हुई (६०)

प्र.५ किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए। (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. भगवद्धाम का अधिकारी होने के लिए उपासना एक अनिवार्य साधन है। (२-३) २. भगवान साकार कैसे हैं ? (१८-२०)
३. गुणातीत संत की महिमा : प्रसिद्ध संत कवियों के पदों में (९९-१००)

प्र.६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. स्वामिनारायण उपासना में अक्षरब्रह्म का विशिष्ट स्थान है। (१०४-१०५)
२. उत्तम भक्त होने के लिए उत्तम लक्षणवाले संत की सेवा करनी चाहिए। (९४-९५)
३. एकान्तिक भक्त का दैहिक मरण वस्तुत: मरण नहीं होता। (३०-३१)

प्र.७ उपसंहार के आधार से निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। **[७]**
(उपासना में क्या समझना चाहिए?)

१. अक्षरब्रह्म भी अक्षरधाम में ..... निर्गुण कर देते हैं। (१५६) २. पुरुषोत्तम की प्रेरणा ..... स्पष्ट भेद है। (१५६)
३. हमारी उपासना अक्षर (स्वामी) ..... चरण की ही है। (१५६-१५७) ४. श्रीजीमहाराज पूर्ण पुरुषोत्तम ..... और दिव्य है। (१५५)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे। (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी।)

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए?)

५. श्रीजीमहाराज के जूते ..... अक्षरब्रह्म है ऐसा नहीं समझना चाहिए। (१५८)

६. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए। (१५८)

७. अकेले अक्षरब्रह्म ही हैं ..... ऐसा नहीं समझना चाहिए। (१५८)

प्र.८ सद्‌गुरु गुणातीतानन्द स्वामी की असाधारण महिमा : स्वमुख से (१३८-१३९) - **टिप्पणी लिखिए।** **[५]**

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ - प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२
और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज - द्वितीय संस्करण, जून - २००७

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''आत्मानन्द स्वामी के त्याग के आगे मुक्तानन्द स्वामी की सत्संग की लाज-मर्यादा बढ़ जाती हैं।'' (२९)

२. ''हमारे घर तो भगवान की मेहरबानी है?'' (७१)

३. ''सो जाओ.. सिर दबाने से कोई संकोच मत करो !'' (२८)

प्र.१० निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) **[८]**

१. शिवलालभाई को तनिक भी दु:ख नहीं हुआ। (८२-८३) **अथवा**

२. मुक्तानन्द स्वामी ने भ्रमणा भांगी रे हैयानी.... कीर्तन की रचना की। (२२-२३)

३. संतों-सेवकों के मन में चिन्ता हुई। (४८) **अथवा**

४. स्वामीश्री के सेवक के मन में प्रश्न हुआ ''सेवक कौन है ?'' (२२)

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) **[८]**

१. रेगिस्तान के प्रदेश के जानकार लालजी भक्त (३७-३८) **अथवा** २. कुशलकुंवरबा को लगा मेरा कल्याण निश्चित हो ही गया है। (५९-६०)

३. करुणामूर्ति संत की अपार आत्मीयता (४२) **अथवा** ४. घोर कलियुग में भी दया और करुणा के स्त्रोत (५६-५७)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. वैष्णव समाज ने रघुवीरजी महाराज से क्या निवेदन किया ? (५१)

२. महाराज ने मुक्तानन्द स्वामी को धर्मपुर जाने की आज्ञा देते हुए क्या कहा ? (५८)

३. सारंगपुर में गोपालानंद स्वामी ने हनुमानजी की मूर्ति की प्रतिष्ठा किस लिए करवाई ? (६)

४. भवानपुरा से बोचासण जाते वक्त स्वामीश्री कौन से गाँव में किस के घर गये ? (४६)

५. नरेन्द्रप्रसाद स्वामी को रुमाल देते हुए स्वामीश्री ने क्या करने को कहा ? (४१)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. सच्चे गुरु की खोज में मुक्तानन्द स्वामी किस किस को मिले ? (१७,१८)

(१) ☐ द्वारकादास (२) ☐ कल्याणदास (३) ☐ तुलसीदास (४) ☐ सहजानन्द स्वामी

२. रघुवीरजी महाराज ने हरिकृष्ण महाराज की प्रतिष्ठा कहाँ कहाँ की ? (५५)

(१) ☐ गढ़डा (२) ☐ जूनागढ़ (३) ☐ वरताल (४) ☐ धोलेरा

३. प्रमुखस्वामी का विचरण (१७)

(१) ☐ चंबल के तटवर्ती क्षेत्र में (२) ☐ प्रात: से शाम पाँच बजे तक पधरावनी

(३) ☐ २० दिनों तक लगातार ९५ गाँवों का विचरण (४) ☐ १०२° डिग्री बुखार में २२१ घरों में पधरावनी

४. प्रमुखस्वामी महाराज के महत्त्वपूर्ण वर्ष (१०-११)

(१) ☐ १९३९ (२) ☐ १९३० (३) ☐ १९४० (४) ☐ १९५०

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। **[१५]**

१. इन्ट्रोड्क्शन टु स्वामिनारायण हिंदू थियोलोजी ग्रंथ विमोचन समारोह (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - दिसम्बर-२०१७, पा.नं. ४०-४३)

२. 'महंत स्वामी महाराज ने मेरा हाथ पकड़ा है, अब मुझे कोई चिंता नहीं है।'
(स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - दिसम्बर-२०१७, पा.नं. ३४-३८)

३. गुरुजी ! नहीं भूलुं आपको.... : हरिभक्तों के संस्मरण (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) - जनवरी-२०१८, पा.नं. ४२-४९)

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न रविवार, दिनांक - १५ जुलाई, २०१८ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx